BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

मेरा युवा भारत

युवा सशक्तिकरण और राष्ट्रीय परिवर्तन का डिजिटल इंजन

- 31 अक्टूबर 2025

मुख्य बातें

- **लाखों युवाओं को सशक्त बनाना:** 2 करोड़ से अधिक युवाओं और **1.2 लाख संगठनों** को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए जोड़ा गया है, जो सीखने, नेतृत्व और सेवा कार्य के अवसर प्रदान करता है।
- **साझेदारी से विकास को बढ़ावा: डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन और SOUL** के साथ हुए समझौतों (MoUs) से माई भारत 2.0 को **एआई तकनीक, मार्गदर्शन और नेतृत्व प्रशिक्षण** जैसी नई सुविधाएं मिलीं।
- **विकसित भारत 2047 की दिशा में:** माई भारत 2.0 अब **करियर परामर्श, कौशल मानचित्रण और उद्यमिता सहायता** को बढ़ाएगा, ताकि युवा भारत के परिवर्तन के केंद्र में रहें।

युवा-नेतृत्व वाले भारत की नींव रखना

भारत आज अपने विकास की एक ऐतिहासिक घड़ी में खड़ा है, जब उसकी 65% आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है और 2047[1] तक विकसित भारत का सपना सामने है। इस महत्वपूर्ण दौर में, **मेरा युवा भारत (MY Bharat)** भारत सरकार की एक ऐतिहासिक पहल बनकर उभरा है- एक राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म जो युवाओं को सशक्त बनाकर उनकी ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण के कार्यों में बदलने के लिए समर्पित है।

31 अक्टूबर 2023 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में लॉन्च हुआ माई भारत तकनीक, सुशासन और जनभागीदारी[2] का एक सशक्त संगम है। यह **युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय** के रूप में काम करता है, जो तकनीक आधारित व्यवस्था के

[1] https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=155107&ModuleId=3
[2] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1973491

ज़रिए युवाओं को सेवा कार्य, अनुभव आधारित सीखने, नेतृत्व और कौशल विकास के अवसरों से जोड़ता है।

इस मंच के माध्यम से, युवा सरकारी विभागों, निजी संगठनों और नागरिक समाज के सहयोगियों की पहलों की खोज कर सकते हैं **और स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण** से लेकर नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक समावेशन तक, वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करने वाली परियोजनाओं में शामिल हो सकते हैं। **राष्ट्रीय युवा नीति** के अनुरूप, यह पहल मुख्य रूप से 15-29 वर्ष आयु वर्ग के लोगों को शामिल करती है, साथ ही **10-19 वर्ष के किशोरों** को भी प्रारंभिक भागीदारी और नागरिक जागरूकता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।[3]

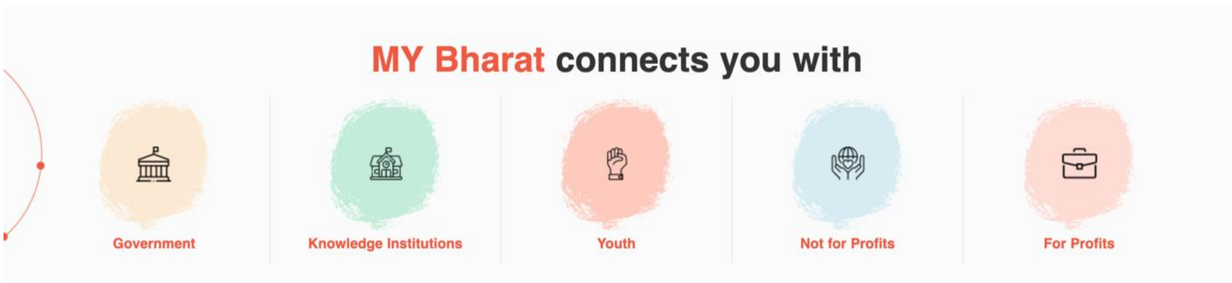

Source: MY Bharat Portal

यह पहल अलग-थलग युवा कार्यक्रमों से एक **एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी** तंत्र की ओर बदलाव का प्रतीक है, जहां आकांक्षाएं अवसरों से मिलती हैं। यह हर स्तर पर- स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय भागीदारी के रास्ते तैयार करता है और सत्यापित डिजिटल प्रमाणपत्रों के माध्यम से प्रत्येक योगदान को मान्यता देता है। जिससे रोज़गार क्षमता और नागरिक गौरव[4] बढ़ता है। अपने मूल में, 'मेरा भारत' 'युवा शक्ति से जनभागीदारी' की भावना का प्रतीक है। यह विश्वास कि भारत की प्रगति सबसे शक्तिशाली तब होती है जब उसके युवा विकास में सक्रिय भागीदार होते हैं। यह अमृत काल के सार को दर्शाता है, प्रत्येक युवा भारतीय को न केवल परिवर्तन का लाभार्थी, बल्कि इसके निर्माता के रूप में स्थापित करता है, जो एक विकसित भारत 2047 को आकार दे रहा है।

माई भारत विज़न

जब 2023 में 'माई भारत' की शुरुआत हुई, तो यह भारत के बदलते युवा परिदृश्य के प्रति एक सामयिक प्रतिक्रिया थी। विशिष्ट ग्रामीण या शहरी परिवेशों के लिए बनाए गए पारंपरिक युवा कार्यक्रम, अब तकनीक,

---

[3] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1973491
[4] https://mybharat.gov.in/pages/about_mybharat

गतिशीलता और वैश्विक संपर्क से प्रभावित पीढ़ी को जोड़ने के लिए पर्याप्त नहीं थे। आज भारत के युवा ऐसे मंचों की तलाश में हैं जो उनकी आकांक्षाओं को पहचानें, उनकी आवाज़ को बुलंद करें और उन्हें सीखने और नेतृत्व के अवसरों से सीधे जोड़ें। माई भारत एक एकीकृत, तकनीक-संचालित इकोसिस्टम का निर्माण करके इस अंतर को पाटता है जो ग्रामीण, शहरी और "ग्रामीण" युवाओं को एक राष्ट्रीय मंच पर एक साथ लाता है। इसका फिजिटल **(भौतिक + डिजिटल) दृष्टिकोण**, भौतिक भागीदारी को डिजिटल पहुंच के साथ जोड़ता है। यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी युवा पीछे न छूटे, जिससे यह पहल आज और भी प्रासंगिक हो जाती है।[5]

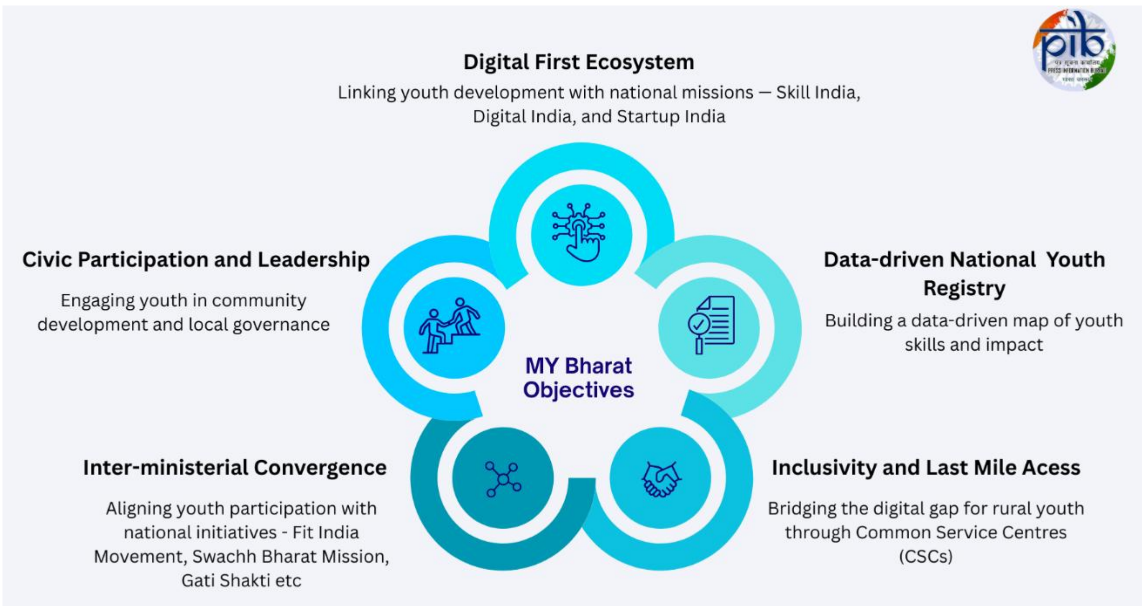

डिजिटल इकोसिस्टम

माई भारत के मूल में एक शक्तिशाली डिजिटल इकोसिस्टम है जो लाखों युवा भारतीयों को विकास और सेवा के वास्तविक समय के अवसरों से जोड़ता है। डिजिटल इंडिया ढांचे के तहत निर्मित, यह अत्याधुनिक तकनीक को समावेशी डिज़ाइन के साथ एकीकृत करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर युवा, चाहे वह महानगरों में हो या दूरदराज के गांव में, बस एक क्लिक से सीखने, नेतृत्व और स्वयंसेवा के अवसरों तक पहुंच सके।

[5] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1973491

माई भारत पोर्टल (mybharat.gov.in)[6]

माई भारत पोर्टल एक **केंद्रीय डिजिटल गेटवे** के रूप में कार्य करता है जो युवा नागरिकों को स्वयंसेवा, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसरों से जोड़ता है। यह निर्बाध पंजीकरण, डिजिटल आईडी, अवसर मिलान और रीयल-टाइम प्रभाव डैशबोर्ड की सुविधा प्रदान करता है। अक्टूबर 2025 तक, इस प्लेटफ़ॉर्म ने 2 करोड़ से ज़्यादा युवाओं और **1.20 लाख संगठनों** को अपने साथ जोड़ा है, जिससे सहयोग और कार्रवाई का एक जीवंत इकोसिस्टम बना है। 14.5 लाख से ज़्यादा स्वयंसेवा के अवसरों के साथ, माई भारत अब 16,000 से ज़्यादा युवा क्लब सदस्यों और 60,000 से ज़्यादा **संस्थागत भागीदारों** के एक विशाल नेटवर्क को जोड़ता है, जिनमें सरकारी निकाय, शैक्षणिक संस्थान और गैर-सरकारी संगठन शामिल हैं। रिलायंस जैसे प्रमुख कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ सहयोग ने प्रभावशाली कार्यक्रमों और बूटकैंप के माध्यम से इसकी पहुंच को और बढ़ाया है जो युवा ऊर्जा को नागरिक और सामुदायिक विकास में लगाते हैं। स्केलेबिलिटी, डेटा एनालिटिक्स और राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के साथ एकीकरण के लिए डिज़ाइन किया गया, माई भारत भारत के युवा-नेतृत्व वाले विकास आंदोलन6 की तकनीकी रीढ़ है।

माई भारत मोबाइल ऐप (अक्टूबर 2025 में लॉन्च)

युवाओं की सहभागिता को मोबाइल-प्रथम और अधिक सुलभ बनाने के लिए, **माई भारत मोबाइल ऐप 1 अक्टूबर, 2025** को लॉन्च किया गया था। यह ऐप पोर्टल के मुख्य कार्यों को अतिरिक्त सुविधा और पहुंच के साथ एक साथ लाता है। इसमें बहुभाषी समर्थन, एआई-संचालित चैटबॉट, वॉइस-असिस्ट नेविगेशन और स्मार्ट सीवी बिल्डर टूल शामिल हैं, जो युवा नागरिकों को अवसरों तक पहुंचने और चलते-फिरते सत्यापित डिजिटल प्रोफ़ाइल बनाने में सक्षम बनाते हैं। लॉन्च के समय, **1.81 करोड़ से अधिक युवा और 1.20 लाख संगठन** पहले ही इस प्लेटफ़ॉर्म पर पंजीकृत थे। यह ऐप डिजिटल प्रमाणपत्र और सहभागिता बैज भी प्रदान करता है, जो राष्ट्रीय और सामुदायिक परियोजनाओं7 में प्रत्येक प्रतिभागी के योगदान को दर्शाता है।[7]

माई भारत 2.0 मॉड्यूल[8]

उन्नत माई भारत 2.0 उन्नत डिजिटल मॉड्यूल के एक समूह को एकीकृत करता है, जो इस प्लेटफ़ॉर्म को एक पंजीकरण पोर्टल से एक व्यापक युवा जुड़ाव इकोसिस्टम में विस्तारित करता है। इनमें शामिल हैं:

- **राष्ट्रीय करियर सेवा:** युवा पेशेवरों के लिए रोज़गार और करियर संपर्क।

---

[6] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183371
[7] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2173543
[8] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2140836

- **मेंटरशिप हब:** निर्देशित कौशल विकास के लिए युवाओं को उद्योग विशेषज्ञों, नवप्रवर्तकों और विचारकों से जोड़ता है।
- **अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम (ईएलपी):** ज़िला और राज्य-स्तरीय असाइनमेंट के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षण को सक्षम बनाता है जो नागरिक उत्तरदायित्व का निर्माण करता है।
- **फिट इंडिया एकीकरण:** स्वास्थ्य, फ़िटनेस और सामुदायिक अभियानों के माध्यम से समग्र युवा कल्याण को प्रोत्साहित करता है। यह प्लेटफ़ॉर्म पहुंच और समावेशिता को बढ़ाने के लिए एआई और ध्वनि-आधारित नेविगेशन, स्मार्ट सीवी जनरेशन और बहुभाषी वितरण का भी उपयोग करता है।

अंतिम छोर तक पहुँच के लिए कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) साझेदारी:[9]

डिजिटल खाई को पाटने और सब जगह पहुंच सुनिश्चित करने के लिए**, माई भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** के अंतर्गत आने वाले कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) नेटवर्क के साथ साझेदारी की है। यह सहयोग देश भर के पांच लाख से अधिक ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) को ग्रामीण, आदिवासी और आकांक्षी ज़िलों के युवाओं को माई भारत सेवाओं के पंजीकरण और उन तक पहुंचने में सहायता प्रदान करेगा। इस फिजिटल (भौतिक+डिजिटल) मॉडल के माध्यम से, हर युवा, चाहे वह किसी भी भौगोलिक क्षेत्र का हो। अब अपने नज़दीकी सीएससी के माध्यम से राष्ट्रीय कार्यक्रमों, नेतृत्व के अवसरों और सामुदायिक परियोजनाओं से जुड़ सकता है।

सक्रिय युवा: बदलाव की कहानियां

विकसित भारत 2047 का हर पड़ाव एक कहानी से शुरू होता है, उन युवा भारतीयों की जो बदलाव का इंतज़ार नहीं कर रहे, बल्कि उसे साकार कर रहे हैं। "माई भारत" के माध्यम से, ये कहानियां इस बात का प्रमाण बनकर जीवंत हो उठती हैं कि जब भारत के युवा सशक्त, जुड़े और प्रेरित होते हैं, तो वे साधारण क्षणों को राष्ट्रीय महत्व के आंदोलनों में बदल सकते हैं। कक्षाओं से लेकर सीमा चौकियों तक, गाँवों से लेकर वैश्विक मंचों तक, भारत भर के युवा डिजिटल जुड़ाव को सामूहिक कार्रवाई में बदल रहे हैं और राष्ट्र की विकास गाथा10 पर अपनी अमिट छाप छोड़ रहे हैं।[10]

विकसित भारत रन 2025: वसुधैव कुटुम्बकम

---

[9] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2140836
[10] https://mybharat.gov.in/pages/mb_stories

विकसित भारत रन 2025 भारत के युवाओं के लिए एकता और उद्देश्य की अभिव्यक्ति का एक वैश्विक मंच बन गया। 91 देशों के 150 अंतरराष्ट्रीय शहरों में आयोजित इस पहल में युवा भारतीय और प्रवासी समुदाय के सदस्य भारत की प्रगति का जश्न मनाने और 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेने के लिए एक साथ आए। सिडनी से सैन फ्रांसिस्को तक, हर कदम युवा आशावाद और इस साझा विश्वास का प्रतीक था कि विकास सीमाओं तक सीमित नहीं है। यह दौड़ युवा शक्ति के एक आंदोलन में बदल गई- एक वैश्विक अनुस्मारक कि भारत के युवा नागरिक, चाहे वे कहीं भी हों, राष्ट्र निर्माण की एक भावना, एक दृष्टि और एक मिशन से बंधे रहते हैं।

राष्ट्रीय ध्वज क्विज़: क्विज़ से सियाचिन तक!

'माई भारत' के तहत आयोजित नेशनल फ्लैग क्विज़ केवल ज्ञान की परीक्षा नहीं थी, बल्कि यह युवाओं के लिए गर्व और उद्देश्य की एक यात्रा बन गई। हजारों प्रतिभागियों ने केवल प्रश्नों के उत्तर देने के लिए नहीं, बल्कि तिरंगे के अर्थ और उसके मूल्यों को दोबारा समझने के लिए भाग लिया। कुछ उत्कृष्ट स्वयंसेवकों के लिए यह अनुभव दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन की यादगार यात्रा पर जाकर पूरा हुआ, जहां उन्होंने भारत की बहादुरी और एकता को करीब से देखा। इस पहल ने शिक्षा के माध्यम से देशभक्ति की भावना जगाई और युवाओं को याद दिलाया कि जब ज्ञान और जज़्बा एक साथ बढ़ते हैं, तो तिरंगा और ऊँचा लहराता है।

नशा मुक्त भारत की ओर युवा अभियान

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत पहल जुलाई 2025 में वाराणसी से शुरू हुई। इसमें 100 से अधिक आध्यात्मिक संगठनों और हजारों युवाओं ने एक साथ मिलकर नशामुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया। काशी घोषणा को अपनाना एक ऐतिहासिक क्षण था। इसने युवाओं को जागरूकता, संवेदना और सामुदायिक प्रयासों के ज़रिए नशे के खिलाफ भारत की लड़ाई का नेतृत्व करने की शक्ति दी। यह आंदोलन जल्द ही पूरे देश में फैल गया। 21 सितंबर 2025 को 1.5 लाख से अधिक युवाओं ने 2000 से ज्यादा कार्यक्रमों में भाग लिया। जो शुरुआत में एक आध्यात्मिक सम्मेलन था, वह धीरे-धीरे एक जन आंदोलन में बदल गया- यह दिखाते हुए कि युवा शक्ति कैसे दृढ़ निश्चय को स्थायी सामाजिक परिवर्तन में बदल सकती है।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में देश के सबसे प्रतिभाशाली युवा नेताओं को एक साथ लाया गया, ताकि वे विकसित भारत 2047 के विज़न को हकीकत में बदलने के लिए ठोस विचार प्रस्तुत कर सकें। इस कार्यक्रम में दस प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई- जैसे सतत विकास, नवाचार, युवा सशक्तिकरण और स्टार्टअप्स। प्रतिभागियों ने भारत के भविष्य के लिए नए और साहसिक समाधान सुझाए। यह आयोजन सहयोग, आत्मविश्वास और रचनात्मकता की उस भावना को दर्शाता है जो देश की युवा शक्ति की पहचान है। प्रधानमंत्री ने युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि "भारत वास्तव में भाग्यशाली है कि उसके पास इतनी प्रतिभाशाली युवा शक्ति है," और यह भी दोहराया कि देश के विकास की यात्रा में युवा नेताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

अब तक की यात्रा और आगे का रास्ता

अपनी शुरुआत के दो साल से भी कम समय में, **माई भारत** देश का सबसे बड़ा **डिजिटल प्लेटफॉर्म बन गया है, जो युवाओं की भागीदारी के लिए बनाया गया है।** इसने 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं और 1.20 लाख से अधिक साझेदार संगठनों को एक साथ जोड़ा है। इस प्लेटफॉर्म ने सेवा कार्य, नेतृत्व और कौशल विकास के नए अवसर दिए हैं, जिससे युवा सीधे देश की प्राथमिकताओं में योगदान दे रहे हैं। इसकी सफलता कई महत्वपूर्ण साझेदारियों और समझौता ज्ञापनों के ज़रिए और मजबूत हुई है, जिन्होंने इसके डिजिटल और संस्थागत दायरे को बढ़ाया है।

30 जून 2025 को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन के बीच हुआ एक महत्वपूर्ण समझौता माई भारत 2.0 के विकास की दिशा में बड़ा कदम था। यह नया संस्करण एक एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आधारित, बहुभाषी प्लेटफॉर्म होगा, **जिसमें स्मार्ट सीवी बिल्डर, वॉयस असिस्ट नेविगेशन, मेंटॉरशिप नेटवर्क और अनुभव आधारित** सीखने जैसी सुविधाएं होंगी।[11]

13 अगस्त 2025 को स्कूल ऑफ अल्टिमेट लीडरशिप फाउंडेशन (SOUL) के साथ एक और बड़ी साझेदारी हुई, जिसका उद्देश्य अगले तीन वर्षों[12] में विभिन्न क्षेत्रों के 1 लाख युवा नेताओं को प्रशिक्षित करना है। ये साझेदारियां यह साबित करती हैं कि माई भारत का मकसद तकनीक और क्षमता विकास को जोड़कर युवाओं की भागीदारी को और व्यापक, उपयोगी और परिणाम-उन्मुख बनाना है।

आगे चलकर माई भारत 2.0 अपने दायरे को और बढ़ाएगा। इसमें करियर काउंसलिंग, एआई आधारित कौशल मानचित्रण, उद्यमिता सहायता और डिजिटल प्रमाणपत्र जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएँगी। यह इसे

[11] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2140894
[12] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2155984

ग्लोबल साउथ का सबसे बड़ा युवा डिजिटल नेटवर्क बनाएगा। साथ ही, नेशनल करियर सर्विस (एनसीएस), डिजिलॉकर, उमंग और डिजिटल इंडिया स्टैक से जुड़ाव इसकी सेवाओं को एक-दूसरे से जोड़कर और प्रभावी बनाएगा।[13]

पीके/केसी/एनएम

[13] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2140836